भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1**139**

सोमवार, **2**9 जुलाई, **2024/**7 श्रावण, **1946** (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विदेशियों की सुरक्षित यात्रा

†1**139**. श्रीमती मालविका देवी:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विदेशियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) होटल उद्योग का पर्यावरण विशेषकर बाघ अभयारण्य आदि जैसी पारिस्थितिकीय प्रणालियों पर कोई हानिकारक प्रभाव न पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) चार धाम यात्रा को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पर्यटकों की सुरक्षा एवं संरक्षा मूलत: राज्य सरकार का विषय है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय समर्पित पर्यटन पुलिस की स्थापना के लिए सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासनों के समक्ष इस मामले को निरंतर उठाता रहा है। पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की है।

पर्यटकों के लिए यात्रा को सुरक्षित और संरक्षित बनाने के अपने प्रयासों के एक भाग के रूप में, पर्यटन मंत्रालय ने भारत में यात्रा से संबंधित सूचना और भारत में यात्रा के दौरान संकट में फंसे पर्यटकों को समुचित मार्गदर्शन के रूप में सहायता सेवा प्रदान करने के लिए घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए **10** अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं (जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इटैलियन, पुर्तगाली, रूसी, चीनी, जापानी, कोरियाई, अरबी), हिन्दी, अंग्रेजी सहित **12** भाषाओं में टॉल फ्री नम्बर **1800111363** या लघु कोड **1363** पर **24x7** बहुभाषी पर्यटक इन्फो-हेल्पलाइन शुरू की है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय स्टार रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत प्रचालनात्मक होटलों का वर्गीकरण करता है और होटलों/होटल परियोजनाओं के वर्गीकरण/अनुमोदन की अपनी स्वैच्छिक योजना

के अंतर्गत होटल परियोजनाओं को अनुमोदित करता है। मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार, होटलों का वर्गीकरण अग्निशमन विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्रचालन हेतु सहमति, सीआरजेड क्लीयरेंस (जहां लागू हो), सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि जैसे विभिन्न मापदंडों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है । इसमें पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र भी शामिल हैं।

(ग): 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन' **(**प्रशाद) के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय ने केदारनाथ धाम के एकीकृत विकास के लिए सहायता प्रदान की है। मंत्रालय ने बद्रीनाथजी धाम में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना के विकास और गंगोत्री तथा यमुनोत्री धाम में तीर्थस्थल अवसंरचना संबंधी सुविधाओं के संवर्धन के लिए भी निधियां प्रदान की हैं।

पर्यटन मंत्रालय घरेलू और वैश्विक बाजारों में भारत के पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का भी संवर्धन करता है। यह संवर्धन कार्य आयोजनों तथा सोशल मीडिया सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से किया जाता है। मंत्रालय द्वारा ऐसे संवर्धन कार्यों के लिए आयोजित कुछ अभियानों और योजनाओं में देखो अपना देश (डीएडी), भारत पर्व, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) और एक भारत श्रेष्ठ भारत हैं जिनमें चार धाम यात्रा का संवर्धन शामिल है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, पर्यटन विभाग, उत्तराखंड सरकार ने सूचित किया है कि वे चिकित्सा, पुलिस और आपदा प्रबंधन आदि जैसे संबंधित विभागों के साथ मिलकर प्रत्येक वर्ष चारधाम यात्रा का आयोजन करते हैं। तीर्थयात्रियों की आसान और सुविधाजनक यात्रा हेतु विभाग ने निम्नलिखित उपायों को कार्यान्वित किया है:

i. तीर्थयात्रियों का ऑनलाइन पंजीकरण
ii. व्हाट्सएप पंजीकरण
iii. मोबाइल ऐप के माध्यम से पंजीकरण
iv. दर्शन के लिए क्यू मैनेजमेंट और टोकन वितरण (पवित्र दर्शन)
v. पर्यटकों के लिए **24/7** हेल्पडेस्क और नियंत्रण कक्ष
vi. डिजिटल और प्रिंट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से चारधाम के बारे में सूचना का संवर्धन और प्रसार।

उन्होंने आगे बताया है कि चार धाम यात्रा एक महत्वपूर्ण आयोजन है जिसके लिए मौसम का पूर्वानुमान क्षेत्र के भू-भाग और ऊंचाई के कारण अत्यन्त महत्वपूर्ण है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) विशेष रूप से तीर्थयात्रा के दौरान तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मौसम का विशेष पूर्वानुमान और एडवाज़री प्रदान करता है।

*****